राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर
प्रतियोगी परीक्षा का पाठ्यक्रम हिन्दी

प्रथम प्रश्न–पत्र

इकाई–1 – हिन्दी भाषा तथा व्याकरण

हिन्दी भाषा का उद्‌भव एवं विकास, हिन्दी भाषा की प्रमुख बोलियाँ– राजस्थानी, ब्रज, खड़ी बोली, अवधी, भोजपुरी । राजस्थानी भाषा का प्राचीन स्वरूप– डिंगल; राजस्थानी की प्रमुख बोलियाँ, मारवाड़ी, शेखावाटी, मेवाती, ढूढांणी, हाड़ौती, मालवी, वागड़ी।
राजभाषा के रूप में हिन्दी की संवैधानिक स्थिति तथा मानक हिन्दी। देवनागरी लिपि की विशेषताएं तथा मानकीकरण।
हिन्दी व्याकरण– मानक वर्णमाला, शब्द तथा शब्द निर्माण– उपसर्ग, प्रत्यय, संधि, समास, वाक्य एवं वाक्य भेद, शब्द शुद्धि एवं वाक्य शुद्धि।
शब्द के व्याकरणिक प्रकार– संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रिया विशेषण, सम्बंधसूचक अव्यय, समुच्चयबोधक अव्यय।

इकाई–2– भारतीय काव्यशास्त्र

काव्य– परिभाषा, काव्य लक्षण, काव्य हेतु और काव्य प्रयोजन, साहित्य का स्वरूप।
भारतीय काव्यशास्त्र– काव्य शास्त्र का तात्पर्य, रस सिद्धांत तथा साधारणीकरण, रस निष्पत्ति, ध्वनि सिद्धांत, वक्रोक्ति सिद्धांत , अलंकार सिद्धांत।
अलंकार – अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, उत्प्रेक्षा, रूपक, संदेह, भ्रांतिमान, वयण सगाई, विभावना, अपन्हुति, मानवीकरण।
छंद– परिभाषा तथा महत्व– दोहा, चौपाई, सोरठा, उल्लाला, छप्पय, कुंडलियां, गीतिका, हरिगीतिका, मंदाक्रांता, द्रुतविलंबित, कवित्त।

इकाई–3– पाश्चात्य काव्यशास्त्र

प्लेटो का काव्य सिद्धान्त,
अरस्तू का काव्य सिद्धान्त– अनुकरण, विरेचन और त्रासदी; लौंजाइनस – उद्धात्त सिद्धान्त; क्रोंचे– अभिव्यंजना सिद्धान्त; कॉलरिज – कल्पना सिद्धान्त; टी.एस. एलियट – परंपरा एवं निर्वैयक्तिकता सिद्धान्त, मार्क्सवादी साहित्य चिन्तन, उत्तर आधुनिकतावाद तथा विखण्डनवाद।

इकाई–4–आदि–मध्यकालः पाठ

समग्र अध्ययन के लिये निर्धारित पाठ –

- पृथ्वीराज रासो (पद्मावती समय) – चंदबरदाई
- कबीर ग्रन्थावली – (सं. श्यामसुन्दर दास) – आरंभिक 20 पद, साखियाँ– गुरू कौ अंग एवं विरह कौ अंग
- मीरां मुक्तावली – सं. नरोत्तमदास स्वामी (समस्त पद)
- भ्रमरगीत सार – (सं. रामचन्द्र शुक्ल) – 21 से 50 पद
- जायसी ग्रन्थावली – नागमती वियोग खंड (सं. रामचन्द्र शुक्ल)
- तुलसीदास – विनय पत्रिका – (सं. वियोगी हरि) – पद सं. 137 से 161 तक
- बिहारी रत्नाकर – (सं. जगन्नाथ दास रत्नाकर) – आरंभिक 25 दोहे
- घनानंद कवित्त – (सं. विश्वनाथप्रसाद मिश्र) – 1 से 25 तक छंद

इकाई–5 – आधुनिक कालः निर्धारित पाठ

- कामायनी – जयशंकर प्रसाद (चिंता तथा श्रद्धा सर्ग)
- राम की शक्ति पूजा – सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
- अंधेरे में – मुक्तिबोध
- गोदान – प्रेमचन्द
- त्यागपत्र– जैनेन्द्र
- महाभोज (उपन्यास) – मन्नू भण्डारी
- निबंध– श्रद्धा और भक्ति (रामचन्द्र शुक्ल), नाखून क्यों बढ़ते है (हजारी प्रसाद द्विवेदी), निबन्ध संग्रह– गंधमादन (कुबेरनाथराय) से राघवः करूणो रसः।
- कहानियाँ – उसने कहा था (चंद्रधर शर्मा गुलेरी), कफ़न (प्रेमचन्द), पुरस्कार (जयशंकर प्रसाद), रोज़ (अज्ञेय), परायी प्यास का सफर (आलमशाह खान), उजाले के मुसाहिब (विजयदान देथा)।
- मेरी तिब्बत यात्रा– राहुल सांकृत्यायन

******

Note :- <u>Pattern of Question Paper</u>

1. **Objective type paper**
2. **Maximum Marks : 75**
3. **Number of Questions : 150**
4. **Duration of Paper : Three Hours**
5. **All questions carry equal marks.**
6. **There will be Negative Marking.**